INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Class work
Lesson-3 खानपान की बदलती तस्वीर	Topic: - प्रश्नोत्तर और व्याकरण	Note: Pl write in your NB

अति लघु प्रश्न-

प्रश्न1. उत्तर भारत में किसकी संस्कृति में बदलाव आया है?

उत्तर- उत्तर भारत में खान-पान की संस्कृति में बदलाव आया है।

प्रश्न2. खानपान की संस्कृति में बड़ा बदलाव कब से आया है?

उत्तर- खानपान की संस्कृति में बड़ा बदलाव दस-पंद्रह वर्षों से आया है|

प्रश्न3. मथुरा-आगरा के कौन-से व्यंजन प्रसिद्ध हैं?

उत्तर- मथुरा के पेड़े और आगरा के पेठे प्रसिद्ध हैं।

प्रश्न4. आजकल बड़े शहरों में किसका प्रचलन बढ़ गया है?

उत्तर- आजकल बड़े शहरों में फ़ास्ट फूड (चाइनीज नूडल्स, बर्गर, पीज़ा) का प्रचलन तेज़ी से बढ़ा है।

प्रश्न5. खानपान की बदलती संस्कृति ने किसे अधिक प्रभावित किया है**?**

उत्तर- खानपान की बदलती संस्कृति ने नई पीढ़ी को अधिक प्रभावित किया है।

प्रश्न6. खानपान के अलावा किन चीज़ों का अनुसरण किया जाता है?

उत्तर- खानपान के अलावा कई चीज़ों का अनुसरण किया जाता है जैसे-भाषा और बोली वेशभूषा,रहन-सहन आदि|

लघु प्रश्न-

प्रश्न1. खानपान की मिश्रित संस्कृति ने हमें किसका मौका दिया है?

उत्तर- खानपान की मिश्रित संस्कृति ने हमें अलग स्वाद लेने का तथा दूर दराज़ जगहों के व्यंजनों की जानकारी के साथ नए-नए व्यंजन चुनने का मौका दिया है|

प्रश्न2. स्थानीय व्यंजनों के प्रसार को प्रश्रय (आधार) कैसे मिला**?**

उत्तर- आज़ादी के बाद उद्योग-धंधों, नौकरियों, तबादलों के कारण लोग एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाने लगे| इससे मिश्रित व्यंजन वाली संस्कृति का विकास हुआ। इसके कारण खानपान की चीज़ें एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में पहुँची हैं।

प्रश्न3. स्थानीय व्यंजनों का पुनरुद्धार क्यों ज़रूरी है**?**

उत्तर- स्थानीय व्यंजन किसी न किसी स्थान विशेष से जुड़े हैं वे हमारी संस्कृति की धरोहर हैं। उनसे हमारी

पहचान होती है। पश्चिमी प्रभाव के कारण भी हम अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं| इन सब कारणों से भारतीय व्यंजनों का पुनरुद्धार ज़रूरी है|

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न1. खानपान में बदलाव के कौन-कौन से फ़ायदे हैं? लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उत्तर- खानपान में बदलाव से निम्नलिखित फ़ायदे हैं-

1. एक प्रदेश की संस्कृति का दूसरे प्रदेश की संस्कृति से मिलना।
2. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलना।
3. गृहिणियों व कामकाज़ी महिलाओं को जल्दी तैयार होने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ उपलब्ध होना।
4. बच्चों व बड़ों को मनचाहा भोजन मिलना।
5. देश-विदेश के व्यंजन मालूम होना।

खानपान में बदलाव से होने वाले फ़ायदों के बावजूद लेखक चिंतित हैं क्योंकि उनका मानना है कि आज खानपान की मिश्रित संस्कृति को अपनाने से नुकसान भी हो रहे हैं जो इस प्रकार हैं-

1- स्थानीय व्यंजनों का चलन कम होने के कारण नई पीढ़ी स्थानीय व्यंजनों के बारे में जानती ही नहीं है|

2- खाद्य पदार्थों में शुद्धता की कमी होती जा रही है।

3- उत्तर भारत के व्यंजनों का स्वरूप बदलता ही जा रहा है।

प्रश्न2. खानपान की संस्कृति का 'राष्ट्रीय एकता' में क्या योगदान है?

उत्तर- खानपान की संस्कृति का राष्ट्रीय एकता में महत्त्वपूर्ण योगदान है। खाने-पीने की चीज़ों का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। उदाहरण के लिए उत्तर भारत के व्यंजन दक्षिण में और दक्षिण के व्यंजन उत्तर भारत में अब काफ़ी प्रचलित हैं। इससे लोगों में मेलजोल भी बढ़ा है जिससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है।

व्याकरण भाग-

प्रश्न-1 दिए गए शब्दों के वचन बदलिए|

1	नज़दीक -	नज़दीकियाँ
2	दूरी -	दूरियाँ
3	मिठाई -	मिठाइयाँ
4	रसगुल्ला -	रसगुल्ले
5	तिथि -	तिथियाँ
6	संस्कृति -	संस्कृतियाँ
7	विधि- -	विधियाँ
8	तस्वीर -	तस्वीरें

प्रश्न-2 दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए।

1	मूर्ख -	मूर्खता
2	प्रभु -	प्रभुता
3	शैतान -	शैतानी
4	शीतल -	शीतलता
5	निर्बल -	निर्बलता
6	कायर -	कायरता
7	सफल -	सफलता
8	मनुष्य -	मनुष्यता

प्रश्न-3 नीचे लिखे वाक्यों में उचित कारक चिह्न भरिए।

1	मैं बस से या के द्वारा विद्यालय जाता हूँ।
2	माँ छोटे भाई के लिए पुस्तक लाई।
3	राम ने भरत को गले लगाया।
4	बिस्तर पर बिल्ली बैठी है।
5	महेश छत पर खेल रहा है।
6	यह मोबाइल मीना का है।
7	अजय कलम से लिखता है।
8	बच्चे ने बोतल से दूध पिया।

पत्र लेखन

संबोधन	संबोधन	अभिवादन	संबंधसूचक शब्द
बड़ों को	पूज्य/पूज्या, पूजनीय आदरणीय, महोदय, पूज्यवर, माननीय	चरण-स्पर्श सादर प्रणाम नमस्ते	आपका प्रिय पुत्र, पुत्री, भाई आपका आज्ञाकारी शिष्य, भवदीय विनीत, स्नेहाकांक्षी
बराबर वालों	प्रिय (नाम) चिरंजीव	चिरंजीव रहो	शुभचिंतक/शुभाकांक्षी
छोटों को	आयुष्मान	शुभाशीष आशीर्वाद प्रसन्न रहो	शुभेच्छु/हितैषी
परिचित	महोदय	नमस्ते	भवदीय/प्रार्थी
अपरिचित	महाशय	नमस्कार	भवदीय/प्रार्थिनी
अधिकारी को	मान्यवर		आपका/आपकी

प्रश्न-4 अपने बड़े भाई के विवाह में अपने मित्र/सहेली को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर,
क.ख.ग शहर|

दिनांक : 10 जून 2022

प्रिय दोस्त/सहेली राम/रानी,
मधुर स्नेह!

मैं अपने स्थान पर कुशल मंगल से हूँ तथा आशा करता/करती हूँ तुम भी अपने स्थान पर स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे| मेरे दोस्त/सखी, मैं आज तुम्हें एक विशेष प्रयोजन से यह पत्र लिख रहा/रही हूँ। मेरे बड़े भाई की शादी 15 अगस्त 2022 को होनी निश्चित हुई है। आप सपरिवार शादी में आमंत्रित हैं।

हम अपने अन्य दोस्तों/सहेलियों के साथ मिलकर खूब मौज मस्ती करेंगे इसीलिए तुम शादी में अवश्य आना। मुझे तुम्हारा इंतजार रहेगा। घर में सभी बड़ों को मेरा सादर प्रणाम/नमस्कार और छोटों को प्यार कहना|

तुम्हारा दोस्त/सखी
क.ख.ग/अजय/राखी

खुश रहिए! स्वस्थ रहिए! मुस्कराते रहिए!